अध्याय | Chapter - 21
गुप्त साम्राज्य | Gupta Empire

श्रीगुप्त → घटोत्कच → चंद्रगुप्त I → समुद्रगुप्त → चंद्रगुप्त II → कुमारगुप्त → स्कंदगुप्त → विष्णुगुप्त

1) परिचय | Introduction

1) गुप्त शासक, कुषाणों के सामंत थे | Gupta rulers were feudatories of the Kushanas.

2) गुप्त शासकों को वैश्य वर्ण से संबंधित माना जाता है | Gupta rulers are believed to belong to the Vaishya varna

3) संस्थापक | Founder :- श्रीगुप्त (महाराजा की उपाधि) | Shreegupta (title of Maharaja)

↓

ताम्रपत्र अभिलेख :- आदिराज | Adiraj

229

2) प्रमुख शासक | Chief ruler

1) चंद्रगुप्त प्रथम | Chandragupta I (319 AD- 334AD)

1) गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक और प्रथम स्वतंत्र शासक | The actual founder and first independent ruler of the Gupta dynasty

2) लिच्छवि राजकुमारी "कुमार देवी" से विवाह | Married to Lichchavi princess "Kumar Devi".

3) महाराजाधिराज | Maharajadhiraj

4) राज्य-अभिषेक - गुप्त संवत (319AD-320AD) का आरंभ

5) चांदी के सिक्कों का प्रचलन | Circulation of silver coins

230

2) समुद्रगुप्त | Samudragupta

1) 335 ईसवी में शासक बना | Became ruler in 335 AD

2) उपाधि | Title :- पराक्रमांक | Paraakramaank, अश्वमेघकर्ता | Ashvameghakarta, परमभागवत | Parambhagavata, कविराज | Kaviraj

3) लगभग 20 शासकों को पराजित किया | Defeated about 20 rulers :- भारत का नेपोलियन (विसेंट स्मिथ) | Napoleon of India (Vicente Smith)

4) दरबारी कवि | Court Minstrel :- हरिषेण | Harrishan

↓

प्रयाग/इलाहाबाद प्रशस्ति की रचना Composition of Prayag / Allahabad Prashasti

1. भाषा - संस्कृत
2. लिपि - ब्राह्मी
3. चंपू शैली

5) सिक्कों पर वीणावादन | Harp on the coins :- संगीतप्रेमी | Music Favour

231

6) समुद्रगुप्त का एरण अभिलेख | Samudragupta's Eran inscription

1) पत्नी | Wife :- दत्तदेवी | Dattadevi.

2) एरण, समुद्रगुप्त का भोगनगर था | Samudragupta's Bhognagar was.

3) चंद्रगुप्त द्वितीय | Chandragupta II

1) 380 ईसवी शासक बना | Ruler of 380 AD

2) गुप्तकाल का स्वर्णकाल | Golden period

3) उपाधियां | Titles :- विक्रमादित्य(शकों को पराजित करने के बाद), उज्जयनीपुरवाधीश्वर, चंद्र, परमभागवत, शकादि आदि | Vikramaditya (after defeating the Shakas), Ujjainipurvadhishwar, Chandra, Param Bhagavat, Shakadi etc.

4) राजधानियां | Capitals

I. पाटलिपुत्र | Paataliputra

II. उज्जैन | Ujjain

232

5) वैवाहिक संबंध | Marital relationship

नागवंश की राजकुमारी कुबेरनाग से विवाह | Married to Kubernag, princess of Nagavansh

↓ पुत्री | Daughter

प्रभावती गुप्त | Prabhaavatee gupta

↓ विवाह | Marriage

वकाटक शासक रूद्रसेन द्वितीय | Vakataka ruler Rudra Sen II

6) चीनी यात्री फाह्यान (399-414) भारत आया | Chinese traveler Fahyan (399-414) visited India

7) दरबार में 9 विद्वान | 9 scholars in court :- नवरत्न | Navratna

233

8) राजकवि :- शाब | Shab

9) संधिविग्रहिक सचिव | Joint secretary :- वीरसेन | Virsen

10) शक के विजय के बाद | After the victory of doubt :- मालवा में चांदी के सिक्कों का प्रचलन | The prevalence of silver coins in Malwa

फाह्यान | Fahyan (399-414)

1) चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार में चीनी यात्री | Chinese traveler in court of Chandragupta II
2) पुस्तक | Book :- फो-म्यों-की
3) स्थल मार्ग से आया, जबकि जलमार्ग से वापस | Came from the land route, while back from the waterway
4) मध्यदेश :- ब्राह्मणों का देश | Country of Brahmins
5) "चांडालों" का प्रथम वर्णन | First description of "Chandals"
6) पाटलिपुत्र में विनिमय का माध्यम | Medium of exchange in patliputra :- कौड़ि | Penny

234

चंद्रगुप्त द्वितीय के नवरत्न (उज्जैन) | Navaratna (Ujjain) of Chandragupta II

1) कालिदास | Kalidas :- सर्वप्रमुख नवरत्न
2) धन्वतरि | Dhanwati :- चिकित्सक | Doctor
3) वाराहमिहिर | Varahamihira :- खगोल शास्त्री तथा ज्योतिषी
4) अमरसिंह | Amar Singh :- कोशकार (डिक्शनरी निर्माणकर्ता)
5) क्षपणक :- फलित ज्योतिषी
6) शंकु :- वास्तुकार | Architect
7) वेतालभट्ट | Vital Bhatt :- जादूगर
8) घटकर्पर | Ghatkarpar :- कूटनीतिज्ञ
9) वररूचि | Varruchi :- व्याकरणाचार्य | Grammarian

नोट | Note

- विशाखादत्ता रचित देवीचंद्रगुप्तम के अनुसार समुद्रगुप्त के बाद रामगुप्त शासक बना | According to Devichandragupta composed by Visakhadatta, Ramgupta became the ruler after Samudragupta.

235

4) कुमारगुप्त प्रथम | Kumaragupta I (415-455)

1) उपाधि | Title :- महेंद्रादित्य | Mahendraditya, शकादित्य | Shakaditya
2) अभिलेख (गुप्त शासकों में) | Inscriptions (under Gupta rulers)
3) नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना | Establishment of Nalanda University

5) स्कंदगुप्त | Skandagupta (455-467)

1) उपाधि | Title :- क्रमादित्य | Kramaditya, शक्रोपम | Shakropam
2) सुदर्शन झील का पुनरुद्धार | Sudarshan lake revival
3) पर्णदत्त को सौराष्ट्र का गवर्नर बनाया | Parnadatta made Governor of Saurashtra
4) हूण आक्रमण | Hun attack
5) मिलावट वाले सिक्के | Adulterated coins

236

5. भानुगुप्त | Bhanugupta

1) भानुगुप्त के एरण अभिलेख (510 ई.) से ज्ञात होता है कि भानुगुप्त का सेनापति गोपराज हुणों के विरुद्ध लड़ता हुआ मारा गया था तथा उसकी पत्नी सती हो गई थी | The Eran inscription of Bhanugupta (510 AD) shows that Bhanugupta's commander Gopraj was killed fighting against the Huns and his wife Sati was killed.

2) एरण अभिलेख सती प्रथा का प्रथम अभिलेखीय साक्ष्य है | Eran inscription is the first archival evidence of the practice of Sati

⇩

अंतिम शासक | Last ruler :- विष्णुगुप्त | Vishnugupta

237

3. गुप्तकालीन राजनैतिक व्यवस्था | Gupta's political system

1) देश :- गोपना / गोपत्री

⇩

2) भुक्ति :- उपरिक

⇩

3) विषय :- विषयपति

⇩

4) पेठ :- पेठपति

⇩

5) ग्राम :- ग्रामपति / ग्रामीक

238

3.1) केंद्रीय प्रशासन | Central administration

1) शासक का प्रमुख | Head of ruler :- राजा | King

2) राजतत्व का देवीयकरण | Divine lyment of the kingdom element

3) गुप्तकालीन प्रमुख मंत्री | Gupta's chief minister

I. कुमारामात्य :- सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी

II. महादण्डनायक :- युद्ध एवं न्याय का सर्वोच्च अधिकारी

III. दण्डपाशिक :- सर्वोच्च पुलिस अधिकारी।

IV. महासन्धिविग्रहिक :- शान्ति एवं वैदेशिक नीति का सर्वोच्च अधिकारी

V. महाबलाधिकृत :- सेना का सर्वोच्च अधिकारी

VI. अग्रहारिक :- दान विभाग का सर्वोच्च अधिकारी

239

3.2) प्रांतीय प्रशासन | Provincial administration

1) नाम | Name :- भुक्ति/ अवनि

2) प्रमुख | Chief :- उपरिक (राजकुल से सम्बंधित) | Upper (related to Rajkul)

नोट | Note

1) गुप्त काल में कायस्थ नामक नए वर्ग का उदय | The rise of a new class called Kayastha in the Gupta period

2) कार्य | Work :- लेखा-जोखा | Statement of account

3) कायस्थ शब्द का प्रथम उल्लेख | The first mention of the word Kayastha :- याज्ञवल्कय स्मृति

240

4) गुप्तकालीन समाज | Gupta society

1) वर्ण व्यवस्था का प्रचलन (जन्म आधारित) | Varna system prevalence (birth based)

2) फाह्यान ने चाण्डाल का उल्लेख किया | Fahyan mentioned Chandal

3) ब्राह्मणों को ग्रामदान | Gramdan to Brahmins

4) शूद्रों की स्थिति में सुधार | Improvement in status of Shudras

5) नारद स्मृति से 15 प्रकार के दासों की सूची

6) स्त्रियों की स्थिति :-
   I. पुराण सुनने का अधिकार | Right to hear mythology
   II. पर्दाप्रथा, सती प्रथा और नियोग प्रथा व बाल विवाह | Prudapratha, Sati and Niyoga and child marriage
   III. दयनीय स्थिति (स्त्री को पुरुष, निजी संपत्ति मानते थे) | Pathetic condition (woman was considered male, private property)
   IV. देवदासी प्रथा | Devadasi system

241

5) गुप्तकालीन अर्थव्यवस्था | Gupta Economy

1) भू-राजस्व कुल उत्पादन का 1/4 भाग से 1/6 भाग हुआ करता था | Land revenue was 1/4 to 1/6 of the total production.

2) गुप्त काल में बलात् श्रम (विष्टि) राज्य के लिए आय का एक स्रोत माना जाता था। इसे जनता द्वारा दिया जाने वाला कर भी, माना जाता था | In the Gupta period, forced labor was considered a source of income for the state. It was also considered a tax paid by the public.

3) आर्थिक उपयोगिता के आधार पर निम्न प्रकार की भूमि थी | The following types of land were based on economic utility
   I. क्षेत्र | Aria :- कृषि करने योग्य भूमि | Cultivable land
   II. वास्तु Vaastu :- वास करने योग्य भूमि | Habitable land
   III. चरागाह भूमि : पशुओं के चारा योग्य भूमि | Livestock land
   IV. सिल : ऐसी भूमि जो जोतने योग्य नहीं होती थी | Land that was not cultivable
   V. अप्रहत : ऐसी भूमि जो जंगली होती थी | Land that used to be wild

242

4) सिंचाई के लिए रहट या घंटी यंत्र का प्रयोग होता था | Rahat or bell machine was used for irrigation.

5) श्रेणी के प्रधान को ज्येष्ठक कहा जाता था | The head of the category was called Jyeshthak

6) गुप्तकाल में उज्जैन सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र था | Ujjain was the most important commercial center in the Gupta period.

7) गुप्त राजाओं ने सर्वाधिक स्वर्ण मुद्राएँ जारी की। इनकी स्वर्ण मुद्राओं को अभिलेखों में दीनार कहा गया है | The Gupta kings issued the highest gold currencies. Their gold currencies are called dinars in the inscriptions.

6) गुप्तकालीन धर्म | Gupta Religion

1) राजकीय धर्म | State religion :- वैष्णव

2) राजकीय चिन्ह | State emblem :- गरुड़

3) भगवान विष्णु का सबसे लोकप्रिय अवतार | The most popular avatar of Lord Vishnu :- वराह | Varah

4) त्रिमूर्ति पूजा | Trinity worship

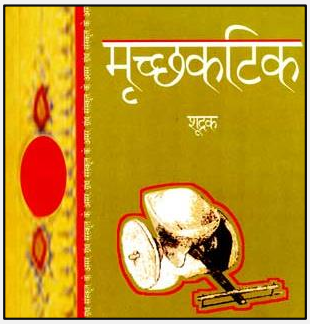

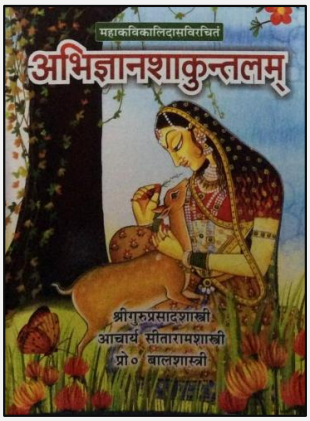

7) गुप्तकालीन साहित्य | Gupta literature
स्वर्णयुग | Golden Age

1) शूद्रक का लिखा नाटक मृच्छकटिकम् या माटी की खिलौना गाड़ी, जिसमें निर्धन ब्राह्मण के साथ वेश्या का प्रेम वर्णित है; प्राचीन नाटकों में सर्वोत्कृष्ट कोटि का माना जाता है | Shudraka's play Mritchkatikam or Mati's toy car in which the love of a prostitute with a poor Brahmin is described; It is considered to be of the best category in ancient plays

2) कालिदास का अभिज्ञानशाकुन्तलम् विश्व की एक सौ उत्कृष्टतम् साहित्यिक कृतियों में से एक है। इसमें राजा दुष्यन्त शकुन्तला के प्रेम की कथा चित्रित है, जिनका पुत्र भरत प्रसिद्ध राजा हुआ | Kalidasa's Abhigyanasakuntalam is one of the hundred outstanding literary works in the world. It portrays the story of the love of King Dushyant Shakuntala, whose son Bharata became the famous king.

245

3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् प्रथम भारतीय रचना है, जिसका अनुवाद यूरोपीय भाषाओं में हुआ। ऐसी दूसरी रचना भगवद्गीता है । भारत में गुप्तकाल में लिखे नाटकों के विषय में उल्लेखनीय है कि ये सभी नाटक सुखान्त है। दुखान्त नाटक एक भी नहीं मिलता | Abhigyanasakuntalam is the first Indian work, translated into European languages. The second such composition is the Bhagavad Gita. It is noteworthy that the plays written during the Gupta period in India are all happy. Sad drama doesn't get any

4) निम्न वर्गों के लोग भिन्न-भिन्न भाषाएँ बोलते थे, जबकि उच्च वर्ग संस्कृत | People from lower classes spoke different languages, while upper class Sanskrit

5) बुद्धघोष ने हीनयान धर्म पर प्रसिद्ध ग्रंथ विसुद्धिमग्ग लिखा।

6) जैन ग्रंथों में आचार्य सिद्धसेन का न्यायावतार सबसे प्रसिद्ध है

7) गुप्त युग में बौद्ध दर्शन पर भी अनेक ग्रंथों की रचना हुई। असंग, महायान धर्म का प्रकाण्ड विद्वान था

8) बसुबंधु ने अभिधर्मकोश लिखा। इसमें बौद्ध धर्म के मौलिक सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया गया है

246

➢ गुप्तकाल में विष्णु शर्मा द्वारा लिखित पंचतंत्र (संस्कृत) को संसार का सर्वाधिक प्रचलित ग्रंथ माना जाता है। बाइबिल के बाद इसका स्थान दूसरा है। इसे पाँच भागों में बाँटा गया है | The Panchatantra (Sanskrit) written by Vishnu Sharma during the Gupta period is considered to be the most popular book in the world. It is the second place after the Bible. It is divided into five parts- -

1. मित्रभेद,
2. मित्रलाभ,
3. संधि-विग्रह,
4. लब्ध-प्रणाश,
5. अपरीक्षाकारित्व

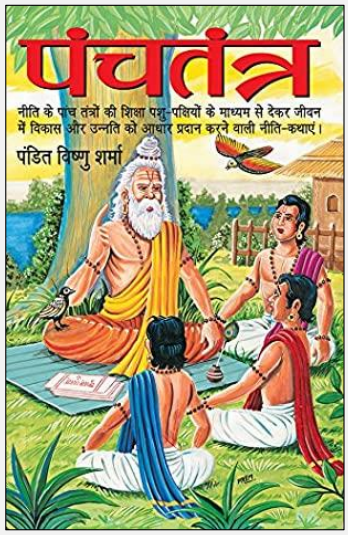

247

नाटक	नाटककार	नाटक का विषय
1. अभिज्ञानशाकुंतलम	कालिदास	दुष्यंत व शकुंतला की प्रेम कथा पर आधारित
2. मालविकाग्निमित्र	कालिदास	अग्निमित्र व मालविका की प्रेम-कथा पर आधारित है
3. विक्रमोर्वशीयम्	कालिदास	सम्राट पुरूरवा व उर्वशी अप्सरा की प्रेम-कथा पर आधारित है।
4. मुद्राराक्षस	विशाखदत्त	इस ऐतिहासिक नाटक में चन्द्रगुप्त मौर्य के मगध के सिंहासन पर बैठने की कथा का वर्णन किया गया है।
5. मृच्छकटिकम्	शूद्रक	इस नाटक में नायक चारूदत्त, नायिका वसंतसेना के अंतिरिक्त राजा, ब्राह्मण, जुआरी, व्यापारी, वेश्या, चोर, एवं धूर्तदास का वर्णन है।
6. देवीचन्द्रगुप्तम	विशाखदत्त	इस ऐतिहासिक नाटक में चन्द्रगुप्त द्वारा शकराज का वध कर ध्रुव-स्वामिनी से विवाह का वर्णन है
7 चारूदत्तम्	भास	इस नाटक का नायक चारूदत्त मूलत: भास की कल्पना है
8. स्वप्नवासवदत्तम्	भास	इसमें महाराज उदायिन व वासवदत्ता की प्रेमकथा का वर्णन है

248

8. गुप्तकालीन वास्तुकला | Gupta Architecture

1) अजन्ता में निर्मित कुल 29 गुफाओं में वर्तमान में केवल 6 ही शेष हैं, जिनमें गुफा संख्या 16 एवं 17 ही गुप्तकालीन है | Of the total 29 caves built in Ajanta, currently only 6 are left, of which cave number 16 and 17 are Gupta.
2) इसमें गुफा संख्या 16 में उत्कीर्ण मरणासन्न राजकुमारी का चित्र प्रशंसनीय है | In it, the picture of a dying princess engraved in cave number 16 is admirable.
3) गुफा संख्या 17 के चित्र को चित्रशाला कहा गया है। इस चित्रशाला में बुद्ध के जन्म, जीवन, महाभिनिष्करमण एवं महापरिनिर्वाण की घटनाओं से संबंधित चित्र उद्धृत किये गये हैं | The picture of cave number 17 is called Chitrashala. In this Chitrasala, pictures related to the birth, life, events of Mahabhinishkaraman and Mahaparinirvana are quoted.
4) अजंता की गुफाएँ बौद्धधर्म की महायान शाखा से संबंधित हैं | The caves of Ajanta belong to the Mahayana branch of Buddhism.

249

4) गुप्तकाल में निर्मित अन्य गुफा बाघ की गुफा है, जो बाघ (जिला-धार, म. प्र.) नामक स्थान पर विंध्यपर्वत को काटकर बनायी गयी थी | Another cave built during the Gupta period is the tiger cave, which was built by cutting Vindhyaparvat at a place called tiger (District-Dhar, M.P.).
5) मंदिर बनाने की कला का जन्म गुप्तकाल में ही हुआ | The art of temple making originated in the Gupta period itself

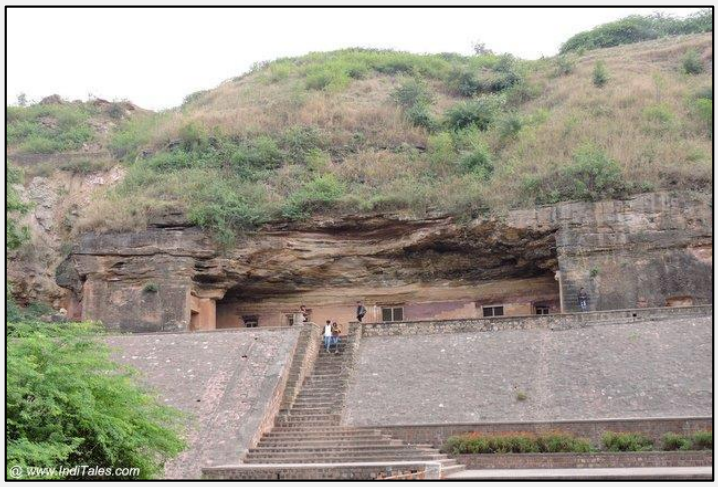

250

मंदिर	स्थिति
1. ऐरण का विष्णु मंदिर	ऐरण, सागर जिला, मध्य प्रदेश
2. भूमरा का शिव मंदिर	भूमरा, सतना जिला, मध्य प्रदेश
3. साँची का मंदिर	साँची, रायसेन जिला, मध्य प्रदेश
4. पिपरिया का विष्णु मंदिर	पिपरिया, सतना जिला, मध्य प्रदेश
5. तिगवा का कंकाली देवी मंदिर	तिगवा, जबलपुर, मध्य प्रदेश
6. तिगवा का विष्णु मंदिर	तिगवा, जबलपुर, मध्य प्रदेश
7. नचना-कुठार का पार्वती नचना मंदिर	कुठार, पन्ना (मध्य प्रदेश)
8. नागोद का शिव मंदिर	नागोद, सतना जिला, मध्य प्रदेश
9. खोह का शिव मंदिर	खोह, सतना जिला, मध्य प्रदेश
10. मढ़ी का मंदिर	मढ़ी, जबलपुर जिला, मध्य प्रदेश

251

9. गुप्तकालीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी | Gupta science and technology

1) आर्यभट्ट | Aryabhata (जन्म - 499 ई. पटना में)

I. आर्यभट्ट का प्रसिद्ध ग्रन्थ आर्यभट्टीयम् है। उनके अन्य ग्रन्थ दशगीतिक सूत्र और आर्याष्टशतक हैं | The famous text of Aryabhata is Aryabhatiyam. His other texts are the Deccan Sutras and the Aryashtashakta

II. आर्यभट्ट ने पृथ्वी को गोल बताया और उसकी परिधि का अनुमान किया | Aryabhata called the earth round and estimated its circumference.

III. आर्यभट्ट ने दशमलव प्रणाली की भी विवेचना की। आर्यभट्ट का शून्य, तथा दशमलव सिद्धान्त सर्वथा नयी देन थी | Aryabhata also discussed the decimal system. Aryabhata's zero, and decimal theory were the new foundations.

252

2) वाराहमिहिर | Varahamihira (550 ई.)

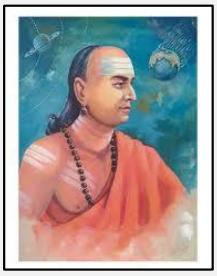

I. आर्यभट्ट के बाद दूसरा प्रसिद्ध गुप्तकालीन गणितज्ञ एवं ज्योतिषी वराहमिहिर है | Varahamihira is the second famous Gupta mathematician and astrologer after Aryabhata.

II. उनके छ: ग्रन्थ उल्लेखनीय हैं- पंथ सिद्धान्तिका, विवाहपटल, यौगमाया, बृहत्संहिता, वृहज्जातक और लघुजातक

3) ब्रह्मगुप्त | Brahmagupta (598 ई.)

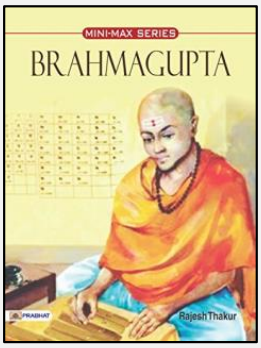

I. ब्रह्मगुप्त भी गुप्तकालीन गणितज्ञ थे | Brahmagupta was also a mathematician of the Gupta period.

II. इन्होंने ब्रह्मस्फुटसिद्धांत नामक ग्रन्थ की रचना की। ब्रह्मगुप्त ने बाद में खंडखाद्य और ध्यानग्रह की रचना की | He composed a book called Brahmasfutasiddhanta. Brahmagupta later composed Khandakhadya and Dhyanagraha

253

4) चिकित्सा | Medical

I. धन्वंतरि आयुर्वेद का प्रसिद्ध विद्वान् थे। इसे चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की राजसभा का सदस्य माना गया | Dhanvantari was a famous scholar of Ayurveda. It was considered a member of Chandragupta Vikramaditya's Rajya Sabha.

II. गुप्तकाल का प्रसिद्ध रसायनशास्त्री एवं धातु विज्ञान वेत्ता नागार्जुन थे | Nagarjuna was the famous chemist and metallurgist of Gupta period.

254